



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

7 आषाढ़ 1932 (श0)
(सं0 पटना 428) पटना, सोमवार, 28 जून 2010

पथ निर्माण विभाग

अधिसूचना

8 जून 2010

सं0 निग/सारा-4-(पथ) आरोप-88/09-8599 (एस)—श्री राजकिशोर प्रसाद, सहायक अभियंता, पथ प्रमंडल, हाजीपुर को पथ अवर प्रमंडल, हाजीपुर के पदस्थापन काल में बरती गयी अनियमितताओं के लिए अधिसूचना संख्या 13250 सह-पठित ज्ञापांक 13251, दिनांक 17 नवम्बर 2009 द्वारा निलंबित किया गया तथा विभागीय पत्रांक 15489 (एस) दिनांक 30 दिसम्बर 2009 द्वारा बचाव बयान की मांग की गयी। श्री प्रसाद द्वारा समर्पित बचाव बयान के समीक्षोपरांत प्रमाणित आरोपों के लिए अधिसूचना संख्या 4823 (एस) सह-पठित ज्ञापांक 4824 (एस) दिनांक 01 अप्रैल 2010 द्वारा इन्हें निलंबन से मुक्त करते हुए निम्न दंड संसूचित किया गया:-

(i) निन्दन (आरोप वर्ष 2009-10) एवं

(ii) तीन वेतन वृद्धियों पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

2. विभागीय पत्रांक 5529 (एस) दिनांक 16 अप्रैल 2010 द्वारा श्री प्रसाद से प्रमाणित आरोपों के आलोक में निलंबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं दिये जाने के संबंध में कारण पृच्छा की मांग की गयी।

3. श्री प्रसाद के पत्रांक-शून्य दिनांक 22 अप्रैल 2010 द्वारा समर्पित कारण-पृच्छा को विभाग द्वारा संसूचित दोनों दंडों का कोई नियम सम्मत आधार/औचित्य नहीं होने का उल्लेख कर निलंबन अवधि को सभी प्रयोजनार्थ कर्तव्य अवधि माने जाने का अनुरोध किया है। श्री प्रसाद द्वारा समर्पित कारण पृच्छा के समीक्षोपरांत पाया गया कि उनके द्वारा प्रमाणित आरोपों के विरुद्ध कोई ऐसा तथ्य नहीं रखा है जो उन्हें दी गयी शास्ति को

क्षान्त कर सकें। उक्त प्रमाणित आरोपों के आधार पर उन्हें निन्दन (आरोप वर्ष 2009-10) एवं तीन वेतन वृद्धियों पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक का दण्ड संसूचित किया गया है। इस आधार पर श्री राजकिशोर प्रसाद, सहायक अभियंता द्वारा समर्पित उक्त कारण पृच्छा मान्य नहीं पाते हुए निम्न निर्णय लिया जाता है:-

(i) निलंबन अवधि में देय जीवन भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा, परन्तु अन्य प्रयोजनार्थ इसे कर्त्तव्य अवधि मानी जायेगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
(ह0)-अस्पष्ट,
सरकार के संयुक्त सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 428-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>